क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें

www.evidyarthi.in

हमारे अतीत

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

- वेद (ऋग्वेद)-
- मवेशी , घोड़े और रथ
- लोगो की विशेषता बताने वाले शब्द
- महापाषाण कब्रें
- इनाम गांव -

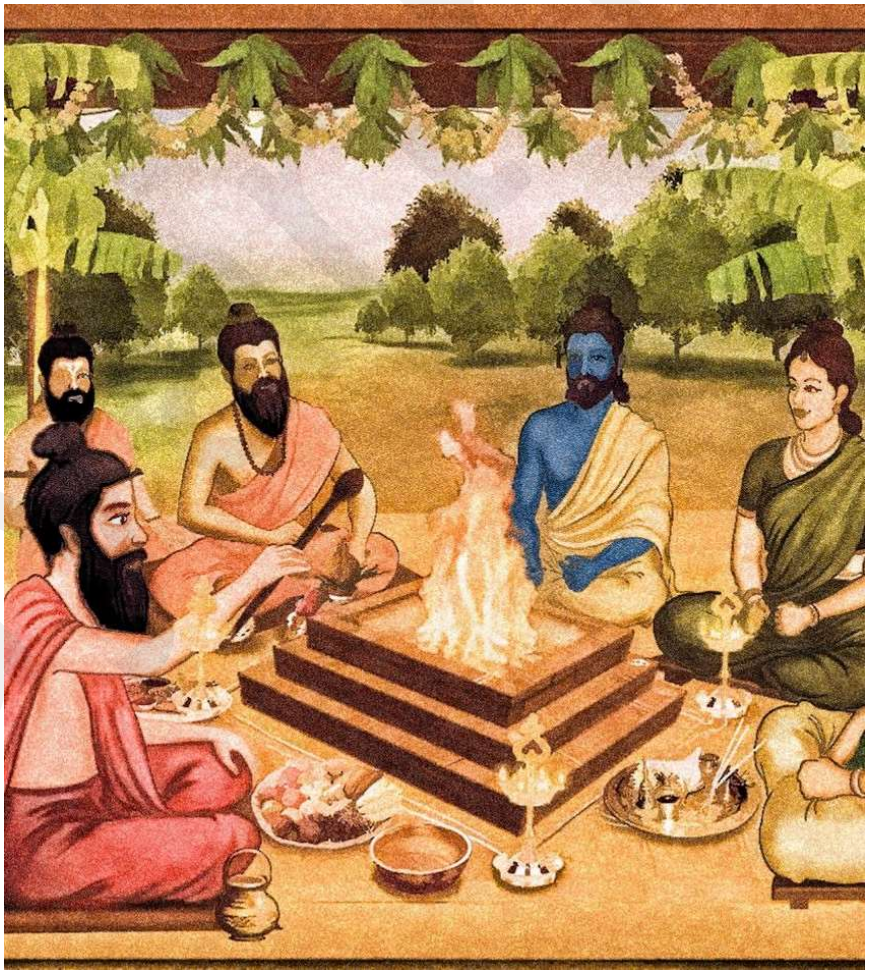

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ वेद (ऋग्वेद)-

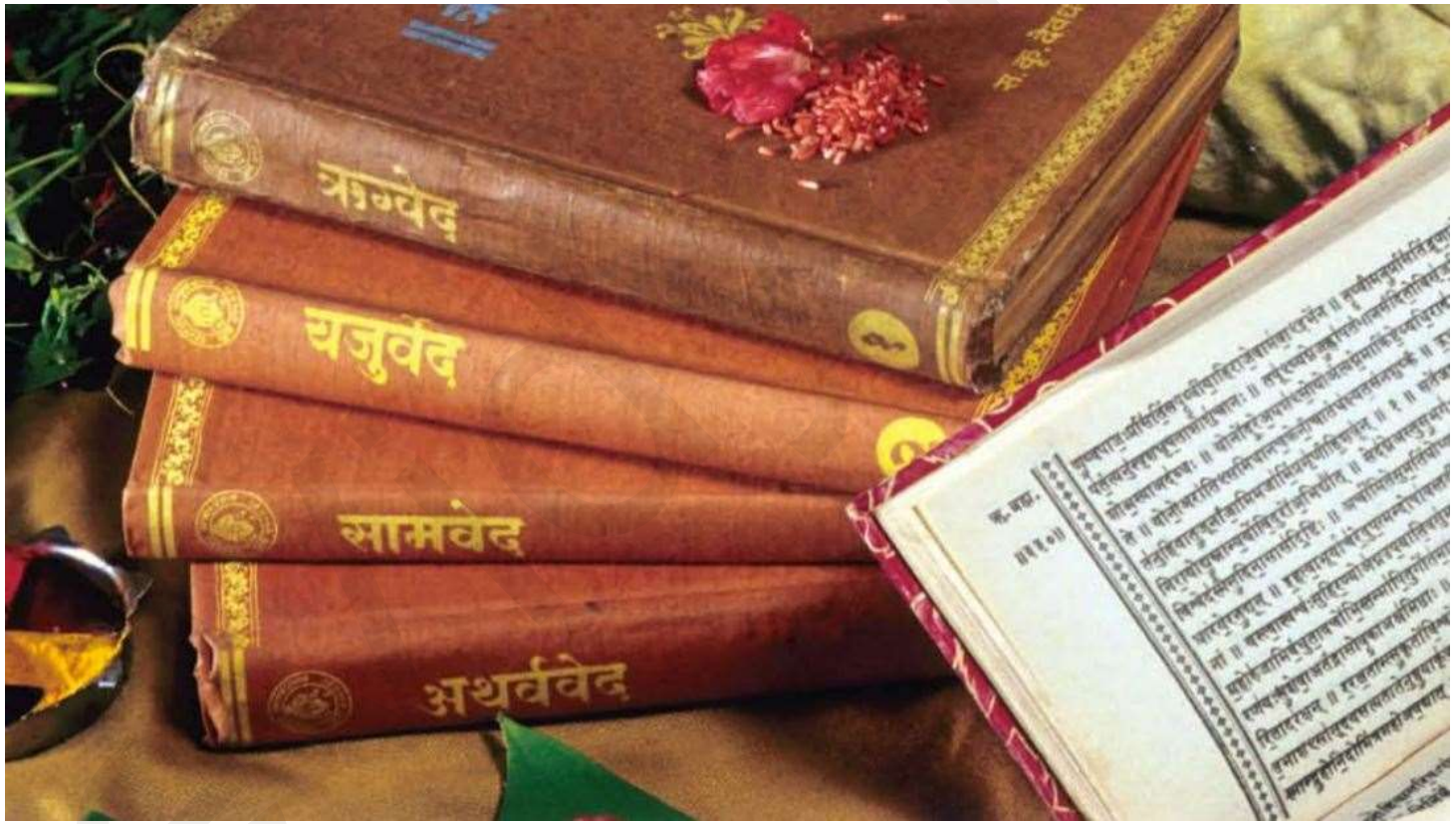

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ वेद (ऋग्वेद)-

• दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथों में से एक|

•वेद चार है -ऋग्वेद, सामवेद , यजुर्वेद तथा अथर्वेद।

• सबसे पुराना वेद है ऋग्वेद जसकी रचना लगभग 3500 साल पहले हुई।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- ऋग्वेद में एक हजार से ज्यादा प्रार्थनाएं है जिन्हे सूक्त कहा गया है।
- सूक्त का मतलब है, अच्छी तरह से बोला गया।
- ये विभिन्न देवी-देवताओं की स्तुति में रचे गये।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- इनमे तीन देवता बहुत महत्वपूर्ण है-
  I. अग्नि -(आग के देवता)
  II. इंद्र -(युद्ध के देवता) तथा
  III. सोम-(एक पौधा जिससे एक खास पेय बनाया जाता था।

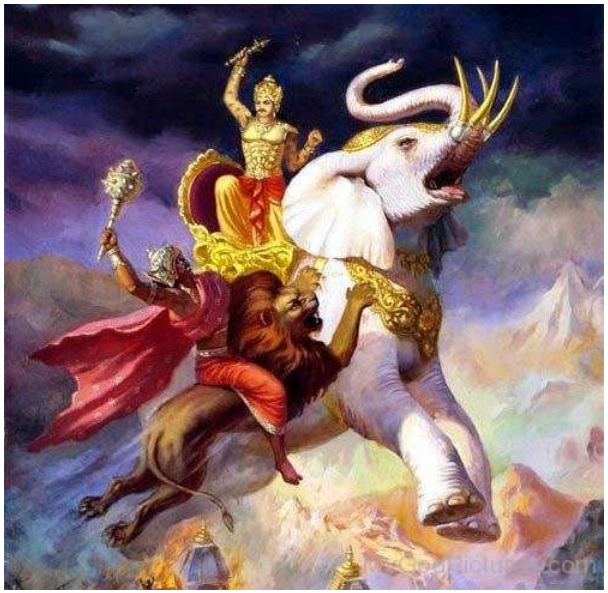

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- ऋग्वेद की भाषा प्राक संस्कृत या वैदिक संस्कृत कहलाती हैं।

- ऋग्वेद का उच्चारण किया जाता था और श्रवण किया जाता था , न कि पढ़ा जाता था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

संस्कृत और अन्य भाषाएँ

संस्कृत भाषा भारोपीय (भारत–यूरोपीय) भाषा-परिवार का हिस्सा है। भारत की कई भाषाएँ – असमिया, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी और सिंधी, एशियाई भाषाएं जैसे फ़ारसी तथा यूरोप की बहुत-सी भाषाएँ जैसे – अंग्रेज़ी, फ्रांसीसी, जर्मन, यूनानी, इतालवी, स्पैनिश आदि इसी परिवार से जुड़ी हुई हैं। उन्हें एक भाषा-परिवार इसलिए कहा जाता है क्योंकि आरंभ में उनमें कई शब्द एक जैसे थे। उदाहरण के लिए 'मातृ' (संस्कृत), माँ (हिंदी) और 'मदर' (अंग्रेज़ी) शब्द को देखो।

क्या तुम्हें इनमें कोई समानता नज़र आती है?

उपमहाद्वीप में दूसरे भाषा-परिवारों की भी भाषाएँ बोली जाती हैं। उदाहरण के लिए पूर्वोत्तर प्रदेशों में तिब्बत-बर्मा परिवार की भाषाएँ बोली जाती हैं। तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम, द्रविड़ भाषा-परिवार की भाषाएँ हैं। जबकि झारखंड और मध्य भारत के कई हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ ऑस्ट्रो–एशियाटिक परिवार से जुड़ी हैं।

उन भाषाओं की सूची बनाओ जिनके बारे में तुमने सुन रखा है। उनके भाषा-परिवारों को पहचानने की कोशिश करो।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ मवेशी , घोड़े और रथ :

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ मवेशी , घोड़े और रथ :

1.ऋग्वेद में मवेशियों , बच्चों (खास कर पुत्रों) और घोड़ों की प्राप्ति के लिए अने प्राथनाएं है।

2.घोड़ों को लड़ाई में रथ खींचने के काम लाया जाता था।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

3. लड़ाईयां जमीन के लिए, कुछ पानी के स्रोतों और लोगो को बंदी बनाने के लिए भी लड़ी जाती थी।

4. युद्ध में जीते गए धन का कुछ भाग सरदार और कुछ हिस्सा पुरोहित रखता था, शेष धन आम लोगों में बाँट दिया जाता था।

5. कुछ धन यज्ञ करने के लिए भी प्रयुक्त होता था।

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

6. यज्ञ में घी ,अनाज और कभी-कभी जानवरों की भी आहुति दी जाती थी।

7. अधिकांश पुरुष युद्ध में भाग लेते थे।

8. इनकी कोई स्थाई सेना नहीं होती थी।

9. ये बहादुर और कुशल योध्दा को अपना सरदार चुनते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

❑ लोगो की विशेषता बताने वाले शब्द :

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ लोगो की विशेषता बताने वाले शब्द :

1.लोगो का वर्गीकरण काम, भाषा, परिवार या समुदाय, निवास स्थान या सांस्कृतिक परंपरा के आधार पर किया जाता था।

2.पुरोहित जिन्हे कभी-कभी ब्राम्हण कहा जाता था तरह-तरह के यज्ञ और अनुष्ठान करते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

3. राजा- ये न तो बड़ी राजधानियों और न महलों में तहते थे म न इनके पास सेना थी, न ही ये कर वसूलते थे।

4. प्रायः राजा की मृत्यु के बाद उसका बेटा अपने आप ही शासक नहीं बन जाता था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

5. जनता या पूरे समुदाय के लिए दो शब्दों का प्रयोग होता था –

I. जनता तथा
II. विश या वैश्य।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

6. ऋग्वेद में विश और जनों के नाम मिलते है। इसीलिए हमे पुरु-जान या विश , भरत-जन या विश , यदु-जन या विश जैसे कई उल्लेख मिलते है।

7. जिन लोगों ने इन प्रार्थनाओं की रचना की वे कभी-कभी खुद को आर्य कहते थे , अपने विरोधिओं को दास या दस्यु कहते थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

8. दस्यु वे लोग थे जो यज्ञ नहीं करते थे और शायद दूसरी भाषा बोलते थे।

9. बाद के समय में दास (स्त्रीलिंग: दासी) शब्द का मतलब गुलाम हो गया।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

❑ महापाषाण कब्रें :

www.evidyarthi.in

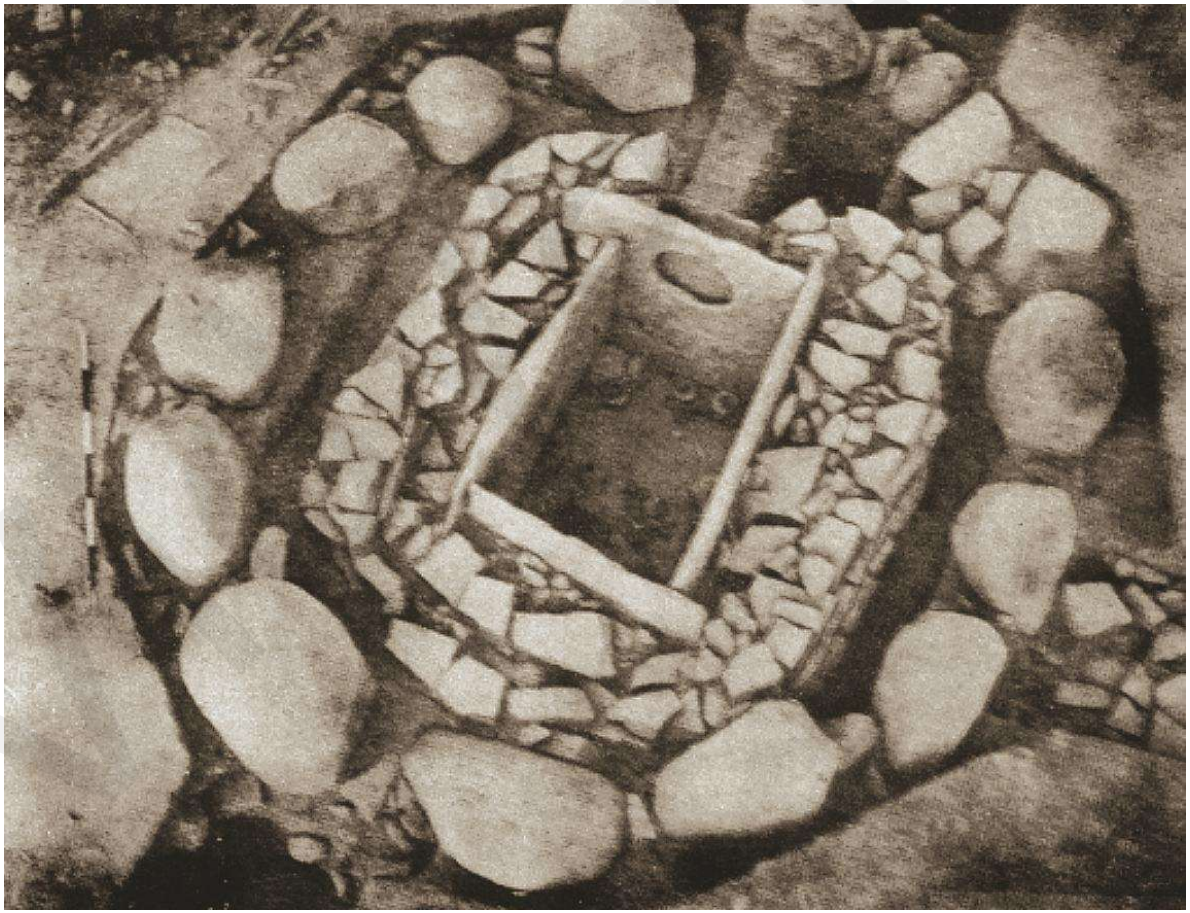

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ महापाषाण कब्रें :

1.प्रथा लगभग 3000 साल पहले शुरू हुई।

2.यह प्रथा, दक्कन, दक्षिण भारत, उत्तर-पूर्वी भारत और कश्मीर में प्रचलित थी।

3.कुछ महापाषाण जमीन की ऊपर ही दिख जाते है। कुछ महापाषाण जमीन के भीतर भी होते हैं।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

4. सामान्यतः मृतकों को खास किस्म के मिटटी के बर्तनो के साथ दफनाया जाता था, जिन्हे काले-लाल मिटटी के बर्तनों (ब्लैक एंड रेड वेयर) के नाम से जाना जाता है। इनके साथ ही मिले है लोहे के औजार और हथियार, घड़े के कंकाल और सामान तथा पत्थर और सोने के गहने।

5. ब्रम्हगिरी (कर्नाटक) में एक कब्र में 33 सोने के मनके और शंख पाए गए है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

➢ इनाम गांव -

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

➢ इनाम गांव -

(महाराष्ट्र) यह भीमा की सहायक नदी घोड़ के किनारे एक जगह है।

- इस जगह पर 3600 से 2700 साल पहले लोग रहते थे। यहाँ वयस्क लोगों को प्रायः गढ्ढे में सीधा लिटा कर दफ़नाया जाता था।
- उनका सिर उत्तर की ओर होता था।
- कई बार उन्हें घर के अंदर ही दफ़नाया जाता था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- ऐसे बर्तन जिनमें शायद खाना और पानी हो दफ़नाए गए शव के पास रख दिए जाते थे।

- यहाँ एक आदमी को पांच कमरों वाले मकान के आंगन में चार पैरों वाले मिट्टी के एक बड़े से संदूक में दफनाया गया था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CH 4 क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- इनाम गांव में पुरातत्वविदों को गेहूं, जौ, चावल, दाल, बाजरा, मटर और तिल के बीज, कई जानवरो (गाय, बैल, भैंस, बकरी, भेड़ा, कुत्ता, घोड़ा, गधा, सूअर, सांभर, चितकबरा हिरण, कृष्ण-मृग, खरहा, नेवला, चिड़ियाँ, घड़ियाल, कछुआ, केकड़ा और मछली) की मिली है और बेर, आंवला, जामुन, खजूर तथा कई तरह की रसभरियां एकत्र की जाती थी।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

कुछ महत्वपूर्ण तिथियाँ :

1.वेदों की रचना का आरम्भ - (लगभग 3500 साल पहले)

2.महापाषाण के निर्माण की शुरुआत (लगभग 3000 साल पहले)

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

3. इनामगांव के कृषको का निवास
(3600 से 2700 साल पहले)

4. चरक (लगभग 2000 साल पहले)

https://www.evidyarthi.in